



kanwhizztimes

@kanwhizztimes
lucknow

@kanwhizztimes

www.kanwhizztimes.com



कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

सरकार हर जरूरतमंद और प्रत्यक्षित को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी नियंत्रण के लिए संकलित है। योगी आदित्यनाथ



वर्ष-13 अंक-323 सोमवार, 23 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखण्ड में प्रसारित मूल्य- ₹ 3.00 पृष्ठ-12

राष्ट्र भूगोग नहीं सनातन मूल्य से जुड़ा विचार और संस्कृति : बागड़े

11

जालंधर में चार इंग तस्करों की संपत्ति जबा 12

संक्षेप

राहुल गांधी सात जनवरी को बरेली कोर्ट में तलब बरेली। कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी के आधिक संवेदन संबंधी बयान को लेकर बरेली लिया एवं सर्व न्यायालय ने उन्हें नोटिस जारी किया। कोर्ट नायांवाई के लिए 7 जनवरी 2025 तारीख तय हुई है। लिया एवं सर्व न्यायाधीश सुधूर बुधवार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध फौजदारी नियामनी खींकार कर सुनावाई करते नोटिस भेजकर तलब किया है। बरेली सुधानगर निवासी अखिल भारतीय हिंदू महासंघ मंडल अध्यक्ष पंकज पाटकर ने अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता और अनिल द्विवेदी माध्यम से राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए एमएलए-एपापी कोर्ट (सीजेएम) कोर्ट में अर्जी दी थी। इसे कोटे ने 27 अगस्त को निरस्त कर दिया था। इस अदेश को बुनाई देने द्वारा एसेन कोटे में रिवीजन फाइल की गई। अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता ने बताया कि राहुल गांधी राजनीतिक ताप के लिए वर्ग विदेश की भावना पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस को सत्ता में लाने की लेकर में जनवृद्धकर आधिक रूप से कमज़ोर वर्गों के मन में शत्रुता, धूमा और वैमन्यों की भावना की प्रयास किया गया। राहुल गांधी के भावण के हिस्से आपूर्ति और अनुसंधान एवं विदेशी राजनीतिक ताप के लिए वर्ग विदेश की भावना पैदा कर रहे हैं।

मोदी रोजगार मेले में 71 हजार कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे
नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को रोजगार मेले में केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों तथा संसदीयों में नियुक्ति कर्मियों को आधारी माध्यम से 71,000 से अधिक नियुक्ति पत्रों का वितरण करेंगे। वह इस अंतर पर उपरित्यत लोगों को संबोधित भी करेंगे। रोजगार मेला रोजगार सुजन को सर्वोच्च प्रार्थितिका देने की प्रधानमंत्री की प्रतिवेदिता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। यह युवाओं को राष्ट्रिय नियन्त्रण और सांस्कृतिक विदेशीय में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवकर प्रदान करेगा। रोजगार मेला देश भर में 45 स्थलों पर आयोजित किया जाएगा।

डा. अंबेडकर के अपमान पर कांग्रेस का उतारवापन विशुद्ध छलावा : मायावती
लखनऊ। बसपा सुरीमो मायावती ने डा. भीमराव अंबेडकर के अपमान को लेकर कांग्रेस का उतारवापन विशुद्ध छलावा व सर्वाधीन की राजनीति है।

बसपा सुरीमो ने रविवार को सोशल मीडिया एक पर लिखते हुए कहा है कि डा. भीमराव अंबेडकर का अमित शाह द्वारा संसद में किए अनादर को लेकर देश भर में लोगों में भारी आक्रोश है। इनकी उपेक्षा वर्तमान में उनके संर्वाधीन को हमेशा लेकर उतारवापन विशुद्ध छलावा व सर्वाधीन की राजनीति है। उन्होंने कहा है कि बाबा साहेब का नाम लेकर उनके अनुयायीयों के बीच के सर्वाधीन की राजनीति को अपमानित कर रहे हैं।

भारत-कुवैत संबंधों का विस्तार

रक्षा, संस्कृति और खेल के क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के समझौतों पर हस्ताक्षर
एंजेसी

मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान, 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से हुए सम्मानित



नई दिल्ली। कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से सम्मानित किया है। यह किसी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया गया 20वां अंतराष्ट्रीय सम्मान है। द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहूड ऑर्डर है।

करने, खेल के क्षेत्र में कार्यक्रमों और परियोजनाओं में भागीदारी, खेल चिकित्सा, खेल प्रबंधन, खेल में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान के लिए खेल मीडिया, खेल विज्ञान, अन्य क्षेत्र की हस्तियों की याचाओं

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्टन्टन, प्रिंस चार्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को प्रदान किया जा चुका है। शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत

के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और कुवैत के बीच खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को योगदान करता है। यह एक व्यापक सम्झौता है। इसे पहले बिल विल्ट

वंश बहादुर तिवारी की पुण्यतिथि शिद्धत के साथ मनाई गई

कलम के सच्चे सिपाही थे वंश बहादुर तिवारी: राजनीकांत मणि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कृशीनगर। लोकतंत्र रक्षक सेनानी, पत्रकार एवं समाजसेवी स्व. बंशबहादुर तिवारी की 18 वीं पुण्यतिथि शिद्धत के साथ मनाई गई। इस मौके पर लोकतंत्र सेनानीयों, विशेषज्ञों जाने का प्रतिक्रिया किया गया।

मुख्य अधिकारी पूर्व विधायक राजनीकांत मणि तिवारी ने कहा कि समाज की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पण करने वाले स्व. तिवारी कलम के सच्चे सिपाही थे जिन्होंने समाज के अंतिम छोर बैठे व्यक्ति के हक की लड़ाई लड़ी। पत्रकारिता जगत में अपनी बेबाक लेखनी के लिए वे हमेशा याद किये जायेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि उन्होंने समाज को हमेशा दिशा दी। पूर्व विधायक मदन गोविंद राव ने कहा कि उनका व्यक्तित्व कुत्तित्व अस्वित ही प्रेरणादायी है। लोकतंत्र सेनानी बंका सिंह ने कहा कि परिस्थितियों अनुकूल ही हो या प्रतिकूल उन्होंने मूल्यों के साथ उन्होंने कभी समझौता नहीं किया और मुख्यतः हक्कर समाज के दिशा देने का कार्य किया। नापां अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जयसवाल के आयोजन उदाहरण थे जिन्होंने सभी कार्यों के हक की आवाज उठाई। प्रधानाध्यार्थ हनुमान इंटर कलेज पड़ानी शैलेन्ड्र दत्त शुक्ला ने कहा कि स्व. तिवारी का जीवन संघर्षों में जीता लेकिन कभी समाज सेवा के कार्य में संसाधन की कमी के चलते वे विचलित नहीं हुए बल्कि परिस्थितियों को उन्होंने मोने का कार्य किया। वक्तव्यों ने अपने संसमरण सुनाते हुए कहा कि इमरजेंसी के दौरान उन्होंने अपनी बेबाक पत्रकारिता धर्म का निर्वहन कर एक नजीर पेश की जिसके लिए वे जेल भी गये। वे जनता के प्रेरणा के स्रोत हैं। भर्ते महेंद्र ने उनसे अपना परिवारिक नाता जोड़ते हुए कहा कि उनकी समाजों ने उन्हें याद कर प्रेरक कार्य किया है। हमें माता - पिता, गुरु का



सम्मान करना चाहिए।

लोकतंत्र रक्षक सेनानी रामकृष्ण के द्वारा सिंह, प्रधानाध्यक्ष उमेश उपाध्याय, भारत तिब्बत समन्वय संघ के बुजेश मणि, बार एस्प्रेसेशन के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पाण्डे, विधायक बुजिबहारी तिवारी भाजपा नेता डॉ अनिल प्रताप राव, डॉ चित्ता राजपाल, पन्नालाल मदेशिया, वीरंद्र यादव, एड पंचनन्द मिश्रा, एड जितेंद्र पंतेल, सभासद, राजेश मदेशिया, हरिनारायण यादव, रोटरी क्लब के अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, दुर्गेश चतुर्वेदी, प्रसून जयसवाल, डॉ अमरेश प्रसाद, प्रेम प्रकाश दूबे, अपरोध्यालाल श्रीवास्तव, वाजिद अली, अमरचंद जयसवाल, दीनानाथ यादव ने अपने विचार रखे। कसथा नागर के गाँधी घर स्थित उनके आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि समीक्षा एवं भजन का शुभारंभ समाप्ति स्थल पर आगत अतिथियों पुष्पाच्चन के साथ हुआ। संगीतकार धीरज राव, सुनील मिश्रा की टीम ने भजन प्रस्तुत किया। स्वागत एवं आभार ज्ञाप सुपुत्र ने भजन प्रस्तुत किया। स्वागत एवं आभार ज्ञाप सुपुत्र

एडवेक्ट कृष्ण कुमार तिवारी, कवि व पत्रकार दिवेश तिवारी भोजपुरिया ने किया। संचालन की पत्ती रामायणी देवी, पौत्र व पौत्री गण, ओमप्रकाश जयसवाल, संजय जयसवाल, लव कुमार, कुश कुमार, पन्नालाल मदेशिया, वीरंद्र यादव, एड पंचनन्द मिश्रा, एड जितेंद्र पंतेल, सभासद, राजेश मदेशिया, हरिनारायण यादव, रोटरी क्लब के अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, दुर्गेश चतुर्वेदी, प्रसून जयसवाल, डॉ अमरेश प्रसाद, प्रेम प्रकाश दूबे, अपरोध्यालाल श्रीवास्तव, वाजिद अली, अमरचंद जयसवाल, दीनानाथ यादव ने अपने विचार रखे। कसथा नागर के गाँधी घर स्थित उनके आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि समीक्षा एवं भजन का शुभारंभ समाप्ति स्थल पर आगत अतिथियों पुष्पाच्चन के साथ हुआ। संगीतकार धीरज राव, सुनील मिश्रा की टीम ने भजन प्रस्तुत किया। स्वागत एवं आभार ज्ञाप सुपुत्र

प्रतिभा सम्मान समारोह में समानित हुए मेधावी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राजापांडु/कृशीनगर। बोर्ड परीक्षा परिणाम की सूची में अपने मेधा के बल पर जनपद में प्रथम व प्रदेश के टापटेन में उत्कृष्ट स्थान हासिल कर चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट कालेज के छात्रों ने यह सांबित कर दिया है कि प्रतिभाकर्सी की मोहताज नहीं होती इन प्रतिभाशालियों ने अपनी सफलता से जनपद कुशीनगर के साथ ही विद्यालय के कुशल शिक्षा व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट कालेज में गत वर्ष के हाईस्कूल व इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था के कुशल विद्यार्थी की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थित चिंडेन परिवर्क इंटरस्मीडिएट की परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान छात्रों को समानित करने के लिये प्रतिभा समान असिलत भवन के उत्कृष्ट व्यवस्था की प्रसिद्धि को बढ़ाकर हम सभी को उदाहरण देते हैं। गवर्नर को उत्तम बताते यहाँ से एवं संचालित असिलत भवन स्थ

असासदोय कृत्य

ज ब देश को नई संसद में सदन को कारंवाइ शुरू हुई, ता विश्वास था कि देश में संसदीय मर्यादाओं को नई गरिमा मिलेगी। लेकिन हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र के दौरान हुए हांगमे ने देश के आम जनमानस को गहरे तक निराश ही किया। सड़क पर सांसदों की व्यक्ति-मुक्ति और आरोप-प्रत्यारोपों ने उन मतदाताओं को ठेस पहुंचायी, जिन्होंने उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना था। आरोप-प्रत्यारोप तो सांसदों की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन इस बार तो बात धक्का-मुक्ति से नेकर थाने तक जा पहुंची। ऐसे में सबाल किया जा सकता है कि जब भारत माननीयों का व्यवहार ऐसा होगा तो आम आदमी से क्या उम्मीद की जा सकती है। दरअसल, महाराष्ट्र चुनाव में करारी शिक्षण से पस्त विपक्ष नकार पर हमले के लिये मुद्रे की तलाश में था। उन्हें मुद्रा खुद गृहमंत्री अभियान के रचयिताओं में अग्रणी डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी के बाद एनडीए और इंडिया गठबंधन के सांसदों के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला कालांतर टकराव में बदल गया। निश्चय ही राजनेताओं के व्यवहार से देश-विदेश में कोई अच्छा संदेश नहीं गया। जिन सांसदों के हाथ में कानून की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी है, वे हाथ ही धक्का-मुक्ति में लिप्त होने लगे। जो नन्प्रतिनिधियों की कथनी-करनी के अंतर को ही दर्शाता है। सही मायनों में यह मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने उन्हें चुनकर संसद में भेजा दिया। निस्संदेह, जब अभियान शाह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का नाम जपना एक फैशन बन गया तो ऐसा करके उन्होंने अपना कद कदापि नहीं बढ़ाया। इस तरह उन्होंने संविधान के जनक को एक अनावश्यक विवाद में घसीट लिया। महाराष्ट्र चुनाव में परायज के बाद खस्ता हाल में आये विपक्ष को इस विवाद ने राजग पर एकजुट हो हमलावर होने का अवसर दे दिया है। विषयक ने भी मुद्रे को तुरंत लपक लिया। लेकिन इस तरह के विवाद को असंसदीय ही कहा जाएगा। कालांतर में स्थिति यहां तक पहुंच गई कि शाह की बयानबाजी के बचाव में खुद प्रधानमंत्री को उतरना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक स्वार्थ के लिये दुर्भीवनापूर्ण झूठ का सहारा लेने का आरोप भी लगाया। निस्संदेह, डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक ऐसे राष्ट्रीय नातीक हैं, जिनकी गरिमा को कोई भी राजनीतिक पार्टी नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह स्पष्ट ही है कि राजनीतिक लाभ के लिए दोनों प्रमुख पार्टियों उनकी विरासत पर कब्जा करने को यह खेल खेल रही है। उनका अभर्यादित व्यवहार इस स्थिति को और गंभीर बना देता है। विडंबना ही है कि ये स्थितियां तब पैदा हुईं जब देश संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित कर रहा था। दुनिया को यह बताने का प्रयास कर रहा था कि लोकतंत्र, न्याय और समानता की कसौटी पर यह जीवंत दस्तावेज खरा उत्तरा है। निस्संदेह, इस बात में भी यह राय नहीं हो सकती कि संविधान के आदर्शों को बनाये रखना सभी सांसदों की सापूर्विक जिम्मेदारी है। उनकी प्राथमिकता सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की जिम्मेदारी चाहिए, न कि आरोप-प्रत्यारोप व टकराव की सीमाएं लंबांने की। वे कम से कम लोकतंत्र के मंदिर की मर्यादा और गरिमा को बनाये रखने का प्राथित तो निभा ही सकते हैं। यदि ऐसा न हुआ तो लोकतंत्र का यह मंदिर बहसन के रंगमंच में बदल जाएगा। साथ ही भारत के विश्व गुरु व विश्व धर्म धर्मांतर के नारे में भी कोई तार्किकता नहीं रह जाएगी। आज देश वेरोजगारी, महाराष्ट्र तथा विकास से जुड़ी तमाम समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे विवादों से तो मुख्य मुद्रों से ध्यान भटकता है। जबकि नन्प्रतिनिधियों की प्राथमिकता जन कल्याण के रस्ते तलाशना होना चाहिए। निश्चित रूप से देश-दुनिया में इस विशालतम लोकतंत्र की कारगुजारियों का अच्छा संदेश तो कदापि नहीं जाएगा। हमारे नन्प्रतिनिधियों को सोचना चाहिए कि जनता के करों के पैसे से चलने वाले सदन ने शीतकालीन सत्र में क्या हासिल किया। निश्चित रूप से इस नकार के दौरान होने वाले अप्रिय विवादों से देश-दुनिया में कोई अच्छा नंदेश तो कदापि नहीं गया है।

को सुनें के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी कि किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। ताकि 1967 में पूरे देश में साम्यादायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश

ने की थी। वे कहते थे कि

ना का खुशहाला क लिए खता पर बल दिया था। कसना वी पी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा

ब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह ने अपनी गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और उन्होंने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, लिलितों, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिदगी गुजारी। चौधरी चरण का वंश जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का डिबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के उत्प्रयामित्रित काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जर्मीदारी की था कि उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होंने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि परिषक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में उन्होंने गुजारा की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए

म कहा पता भी नहीं हल पाया था। 17 फरवरी 1970 का दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होंने कभी समझौते नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने। चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानों ने सरकार में पैरवी करने वाले अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री रूप से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द कर दिये। आहवान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

न महापुरुष
वाराणसी

ज वास्तविक धर्म के सत्यापक एवं सूत्रधार हत हा। इस वास्तविक और विशुद्ध धर्म को जैन धर्म के तेईपंती तीर्थकर भगवान पार्श्वनाथ ने स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने दमपी आशा को नये आयाम दिये और कहा कि दमपे भीतर

उत्तरांशन छापा पाये आजान कर्प जारी करना एक हानिकारक अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उहोंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। उहोंने जिस धर्म का उपदेश दिया, वह न ब्राह्मण धर्म था, न क्षत्रिय धर्म, न वैश्य धर्म और न ही शूद्र धर्म। वह विशुद्ध धर्म था, जो किसी कुल, जाति या वर्ण की परिधि में सिमटा नहीं था। भगवान पार्वनाथ की जयन्ती मनाते हुए हमें पार्वनाथ के जीवनदर्शन को जीवनशैली बनाने का संकल्प लेना होगा। भगवान पार्वनाथ एक क्रांतिकारी युगपुरुष थे, उनकी क्रांति का अर्थ रक्तपात नहीं! क्रांति का अर्थ है परिवर्तन। क्रांति का अर्थ है जागृति! क्रांति अर्थात् स्वस्थ विचारों की ज्योति! क्रांति का अर्थ आग नहीं। क्रांति का अर्थ है सत्य की ओर अभियान। पूर्णता की ओर बढ़ना क्रांति है। वे अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर पृथ्वी पर जन्मे। तब तापस परम्परा में वे क्रांति-ज्याला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सरस्वता नाम की प्राप्ति त्रैव वस्त्र जाता है।



को कम

आज इस लेख में हम आपको ठंड के मौसम में नींबू पानी पीने के फायदों के बारे में बता रहे हैं। इस लेख को पढ़ने के बाद आप भी ठंड के मौसम में भी नींबू पानी पीना शुरू कर देंगे? ठंड के मौसम में व्यक्ति को अधिकतर मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी?खांसी व जुकाम होने की संभावना अधिक होती है। लेकिन अगर आप ठंड के मौसम में नींबू पानी का सेवन करते हैं तो इससे आपका इम्युन सिस्टम मजबूत होता है। दरअसल, नींबू में विटामिन सी पाया जाता है तो आपके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाता है। जिससे आप स्वयं को मौसमी बीमारियों से बचा सकते हैं। ठंड के मौसम में बजन का बढ़ जाना एक सामान्य कम करने में मदद करता है। इस तरह सर्दियों के मौसम में नींबू पानी आपके लिए काफी फायदेमंद होता है। अमूमन देखने में आता है कि सर्दियों में लोग पानी कम पीते हैं। दरअसल, इस मौसम में पसीना नहीं आता और इसलिए व्यास कम लगता है। लेकिन अगर आप ठंड के मौसम में नींबू पानी पीते हैं तो इससे शरीर में पानी का लेवल बन रहता है और आपकी बॉडी डिहाइटेट नहीं होती। कई बार लोगों को ठंड के मौसम में सिरदर्द चक्कर आना व थकान की शिकायत होती है इसका करण शरीर में पानी की कमी भी होती है लेकिन अगर आप नींबू पानी पीते हैं तो आप इस्वास्थ्य समस्याओं से आसानी से बच सकते हैं।

चले आइए पहाड़ियों पर बसे भोपाल में तहजीब भरे इस शहर में बहुत कुछ है

भोपाल 'मेरीन ड्राइव'। लाल घाटी से कमल पार्क तक का तालाब के किनारे-किनारे खुबसूरत गास्ता, जहां तीन किलोमीटर तक बड़ी झील है, किनारे पैदल चलने व ड्राइविंग का आनंद लेने रोज शाम हजारों लोग इकट्ठा होते हैं। शाम होते हैं।

देश से कहीं से भी सरलता से यहां पहुंचा जा सकता है। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई व चेन्नई से सीधी रेल यात्रा की सुविधा भोपाल तक आने के लिए है। राजा भोज के बसाए इस खूबसूरत शहर का नाम पहले भोजपाल था। फिर अप्रैल में इसे भोपाल कहा जाने लगा। भोजपुर का विश्व प्रसिद्ध शिव मंदिर व एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद ताजउल मस्जिद भोपाल में ही है। भोपाल की पुरानी गलियों में घूमते सूरमा भोपाली चूना चाटते हुए, आपसे आज भी टकरा जाएंगे। परदे लगे तांगों में बुरका पहने हुए महिलाएं आज भी पुराने भोपाल में नजर आती हैं। आदिम युगीन भीम बैठकों की गुफाएं और विश्व प्रसिद्ध सांची के स्तूप भोपाल के नजदीक ही हैं। आज भी आप भोपाल की तीन खासियतों जरदा, परदा व गढ़वाल को भी लैंगा ही जाएंगे। पर्यटकों के लिए ही भोपाल के इस मेरीन ड्राइव पर तालाब व झिलमिलाती हजारों विहृत लड़ियों का अपना अलग ही आनंद है। ताजउल मस्जिद देखने योग्य है। यह मस्जिद एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद मानी जाती है। इसके पास ही दिसंबर माह विश्व मस्लिम शांति सम्मेलन 'इस्तिमा' का मेल लगता है जिसमें दुनिया भर के मुसलमान शरीर होते हैं। इस विशाल मस्जिद के निर्माण व शुरूआत शाहजहां बेगम ने 1868 में की थी निर्माण कार्य उसकी मृत्यु के बाद संपन्न हुआ भोपाल की जमा मस्जिद भी आप देखने ज सकते हैं। स्वर्ण शिखर से मंडित भोपाल दें चौक में स्थित यह आकर्षक मस्जिद कुरेसिमा बेगम द्वारा निर्मित है। इसके बारे में कहा जाता है कि यहां पहले परमावंशीय राजा उपादित द्वारा 1050 में निर्मित गया था।



मुख्यमंत्री ने किया 188.07 करोड़ की 74 योजनाओं का लोकर्पण और शिलान्यास

कैनविज टाइम्स संवाददाता



देहरादून। मुख्यमंत्री पुक्कर सिंह धामी ने

रिवारा को कक्ष चौक, देहरादून में

188.07 करोड़ की कुल 74 योजनाओं

का लोकर्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें

111.20 करोड़ की लागत से 36 लोकर्पण

कार्यालय और 76.85 करोड़ के 38

शिलान्यास के कार्यालय हैं। इसके तहत

देहरादून के चार स्थानों पर इलेक्ट्रिक

वीकल चार्जिंग स्टेशन का लोकर्पण,

लगभग 11 करोड़ की लागत से बनने वाली

2 ऑटोमेटेड पार्किंग और एक भूतल

पार्किंग का शिलान्यास कार्यालय भी शिलान्यास है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाल-

भिक्षावृत्ति निवारण प्रयासों के अंतर्गत 3

रेस्क्यू एवं पुनर्वास वाहनों का फर्जन ऑफ

एवं जिलाधिकारी देहरादून कार्यालय में पत्र

प्रबंधन डेस्क का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य,

मसूरी में नए साल की तैयारियां चरम पर, पर्यटकों का स्वागत करने को तैयार 'वीन ऑफ हिल्स'



कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नए साल का जशन मनाने के लिए पहाड़ों की रानी मसूरी पर्यटकों का

स्वागत करने को पूरी तरह तैयार है। होटल, कैफे और पर्यटन स्पॉट रोजानी और सजावट से जगमगा रहे हैं। जिला प्रशासन, स्थानीय व्यापारी और होटल व्यवसायी पर्यटकों को एक यादगार अनुभव देने के लिए विशेष इंतजाम कर रहे हैं।

मसूरी में नए साल के जशन को सुनिश्चित

और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी इंतजाम

किए गए हैं। पर्यटकों से अनुरोध है कि

यात्रायात और स्वच्छता के नियमों का पालन

करें। पर्यटकों का बढ़ता उत्साह मसूरी में

हर साल नए साल के मौके पर हजारों

पर्यटक आते हैं। इस बार भी बड़ी संख्या में

लोग बर्फबारी का आनंद लेने और नए साल

का जश्न मनाना चाहते हैं। होटल और गेटवे हास्त

लगभग पूरी तरह से बुक हो चुके हैं।

कैम्पटी कॉल, गन हिल और माल रोड जैसे

संदिधि परिस्थितियों में फंदे पर

झूलता मिला युवक का शव, दो

दिन बाद होनी थी सगाई

हरिद्वार। एक युवक ने संदिधि

परिस्थितियों में कांसी लगाकर आत्महत्या

कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया है। परिजनों

ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले

की जांच कर रही है। मामला लक्ष्य

कोतवाली क्षेत्र का है। दरअसल, लक्ष्य

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घोषपुर विधायिका

श्रीबीलाली स्टेन के जाँनी (20) 25 त्रुत

धीर ने रियासी पंडितगुरी लखनऊ मुर्शी के

पद पर कार्य करता था। पुलिस के लिए यह

केशव परिस्थिति थी।

देहरादून। इस सप्ताहांत, दून

पुस्तकालय एक रंगीन उत्सव का केंद्र

बन गया। शनिवार को आयोजित

क्रिसमस शिल्प कार्यशाला और रविवार

को कहानी वाचन व लेखन सत्र ने

बच्चों की कल्पनाशीलता को नई उड़ान

दी। रंगीन कागजों और चम्किले क्रिसमस

सजावट से सजे पुस्तकालय में बच्चों

ने अपनी रचनात्मकता का जादू बिखेरा।

उन्होंने खूबसूरत क्रिसमस कार्ड और

सजावट बनाई। रविवार को, अमेरिका

से आई कहानीकार उपासना काकरू ने

अपनी मनोहक कहानियों से बच्चों को

एक नए संसार में ले गई। लगभग 100

बच्चों ने सासे थामकर इन कहानियों

को सुना और अपनी कल्पनाओं की

दुनिया में खो गए। इन्होंने ही नहीं, आपसा

दृष्टि और विभिन्न स्फुलों के बच्चों ने

अपनी कल्पनाओं को शब्दों में पिरोते

हुए विभिन्न विषयों पर कहनियां लिखी।

इन कहानियों में प्रकृति, दोस्ती, सपने

से गाय होनी थी।

देहरादून। यहां की हालत बुरी है।

जिला प्रशासन की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फैसले

पर दून की वार्षिक रिपोर्ट

में दर्शाया गया है।

देहरादून की वार्षिक रिपोर्ट

में लगभग 100

बच्चों की जांच करने के फै